Statement

The production of mica during last three years :

Year	(Qty. in tonnes) Crude mica
1979	9073
1980	7930
1981	8377

Export of Processed and fabricated mica :

Qty. '000' tonnes
Val. Rs. Crores.

Year	Quantity Processed	Value Processed	Quantity Fabricated	Value Fabricated
1979-80	18.86	23.03	10.03	11.49
1980-81	16.32	21.61	N.A	12.00 Esti-mated
*1981-82	15.00	28.33	N.A	do

Source : DGCI & S, Calcutta.

*Source : MITCO

पोलैंड को अभ्रक का निर्यात

10527. **श्री रामावतार शास्त्री :** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत और पोलैंड की सरकारों के बीच अभ्रक के निर्यात के बारे में किसी करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि अभ्रक उद्योग को गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संकट को दूर करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) और (ख) भारत और पोलैंड की सरकारों के बीच अभ्रक के निर्यात के बारे में किसी भी करार पर हस्ताक्षर नहीं किए गये हैं। तथापि, मिनेक्स (पोलैंड के एक विदेश व्यापार उद्यम) ने लगभग 1.75 करोड़ रु० मूल्य के अभ्रक की सप्लाई के लिए मिटको के साथ एक संविदा सम्पन्न की है।

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

10528. **श्री रामावतार शास्त्री:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों मे बड़े पैमाने पर कृषि की स्थापना के लिये कोई योजना बनाई है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) विभिन्न राज्यों में अब तक स्थापित किये गये कृषि बैंकों का, राज्यवार ब्यौरा क्या है; और

(घ) पिछड़े क्षेत्रों में कृषि बैंकों की संख्या में वृद्धि करने के लिये सरकार द्वारा क्या कार्यवाही करने का विचार है?

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) से (घ) सम्भवत : माननीय सदस्य का आशय ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे/सीमांतिक किसानों, कृषि मजदूरों, ग्रामीण शिल्पकारों तथा अन्य कमजोर वर्गों

को ऋण सुलभ कराने के उद्देश्य से स्थापित किये गये क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से है। इस समय देश के 19 राज्यों में 198 जिलों को व्याप्त करते हुए 117 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक हैं। इन बैंकों का राज्यवार वितरण अनुबन्ध में दिया गया है। छठी पंचवर्षीय आयोजना की शेष अवधियों और ऐसे 53 बैंक स्थापित करने का प्रस्ताव है तथा इनके स्थानों का निर्णय, सम्बद्ध क्षेत्र में बैंकिंग की मूल ढांचे की विद्यमान स्थिति, इत्यादि सहित विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रख-कर किया जाता है।

विवरण

मार्च, 1982 की स्थिति के अनुसार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का राज्यवार वितरण

	राज्य	स्थापित किए गए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की संख्या	व्याप्त जिलों की संख्या
	1	2	3
1.	आन्ध्र प्रदेश	8	12
2.	असम	5	10
3.	बिहार	17	26
4.	गुजरात	4	6
5.	हरियाणा	2	5
6.	हिमाचल प्रदेश	1	3
7.	जम्मू तथा कश्मीर	3	10
8.	कर्नाटक	6	10
9.	केरल	2	4
10.	मध्य प्रदेश	13	23
11.	मणिपुर	1	6
12.	महाराष्ट्र	1	4
13.	मेघालय	1	3
14.	उड़ीसा	9	11
15.	राजस्थान	6	12
16.	तमिलनाडु	1	2
17.	त्रिपुरा	1	3
18.	उत्तर प्रदेश	29	35
19.	प० बंगाल	7	14
		117	198

बिहार के बैंकों मे काम कर रहे कर्मचारियों की संख्या

10529. श्री रामावतार शास्त्री : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या यह सच है कि बिहार के बैंकों में काम कर रहे कर्मचारियों की संख्या आवश्यकता से कम है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या बिहार सरकार ने इस बारे में उन्हें कोई पत्र अथवा ज्ञापन भेजा है; और

(घ) यदि हां, तो उस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) और (ख) अधिकांश उन राष्ट्रीयकृत बैंकों ने, जिनकी शाखाएं बिहार में हैं, सूचित किया है कि उनकी जन-शक्ति आवश्यकताओं की तुलना में उनके पास कर्म-चारियों की कोई कमी नहीं है। परन्तु, कुछ बैंकों ने बिहार में स्थित अपनी शाखाओं में लिपिक वर्गीय कर्मचारियों की कुछ कमी होने की सूचना दी है। इस तरह की कमी मुख्यत: राष्ट्रीयकृत बैंकों के 1980 के मांग-